वेदभूषण (पञ्चवर्षीय)

एवं

वेदविभूषण (द्विवर्षीय)

समस्त वेद की शाखाओं का वर्षक्रमानुसार सम्पूर्ण पाठ्यक्रम

महर्षिसान्दीपनिराष्ट्रीय-वेदविद्याप्रतिष्ठानम्, उज्जयिनी

(मानवसंसाधनविकासमंत्रालयः, भारतसर्वकारः)

2018

Curriculum Advisory Committee for Veda Bhushana and Veda Vibhushana of MSRVVP

Prof. Ravindra Ambadas Muley
Vice-Chairman, MSRVVP
and Professor,
Dept. of Sanskrit and Prakit, Savitribai Phule Poona University
Pune

Prof. Ramamurthy Chaturvedi, Professor of Sanskrit
Mahatma Gandhi Kashi Vidyapeetha, Varanasi
Prof. K E Devanathan,
Former Vice- Chancellor, SVVedic University, Tirupati
and

Prof. Deviprasad Tripathi
Professor, Dept. of Jyotisha and Vastu

SYLLABUS COMMITTEE

CHIEF ADVISERS

Prof Harihar Trivedi,
Head, Dept of Veda, LBSRSVidyapeetha, New Delhi
Dr Ganesh Dutt Bharadwaja, Hoshirpur, Punjab
Prof. Divakar Mahapatra, Puri

SUBJECT EXPERTS

RGVEDA

Pandit Shreepad Dhaygude
Pandit Anant Krishna Bhat

SHUKLA YAJURVEDA (MADHYANDINA)

Pandit Vaikunthanatha Sharma
Pandit Shantaram Bhanose

SHUKLA YAJURVEDA (KANVA)

Prof. Divakar Mahapatra
Pandit Shrikrishna Puranik

KRISHNA YAJURVEDA

Pandit Prakash suresh Bapat
Pandit Vireshwar Datar

SAMAVEDA (Kauthum)

Pandit K R Manjunatha Shrauti
Pandit Gagan Chattopadhyaya

SAMAVEDA (Jaimini Shakha)

Pandit Dinesh Panigrahi

SAMAVEDA (Ranayani Shakha)

Pandit Shrikrishna Madhukar Palaskar

ATHARVAVEDA (SHAUNAKA SHAKHA)

Pandit Shreedhar Adi, Gokarna
Pandit Deshik Narayan Kasture

ATHARVAVEDA (Paippalada Shakha)

Pandit Kunj Bihari Upadhyaya, Puri

MODERN SUBJECTS

Mathematics

Prof. Ghanashyam Pandey, Vikram University

Social Science and Science

Prof. Shailendra Parashar

Sanskrit

Dr Devanand Shukl
Dr Dharmendra Singdeo

English

Dr Abhishek Tiwari

ADOPTED COURSE BOOKS

Science Books - MSRVVP

Yoga from - NCERT

Computer Applications - NCERT, MP

Sanskrit-Bhasha Pravesha, Samskrita Bharati

History of Vedic Literature - MSRVVP

History of Sanskrit Literature - NCERT

MAHARSHI SANDIPANI RASHTRIYA VEDA VIDYA PRATISHTHAN, UJJAIN

Academic Committee

1. Secretary, MSRVVP - Chairman

2. Five Vedic Scholars, (Northern, Southern, Eastern, Western and Central Region wise) - Member
   Pandit Narayan Hosmane, JRSU Jaipur - Atharvaveda
   Shri Manjunath Shrauti, Mysore (Southern) - Samaveda
   Shri Krishna Puranik (East) - Shukla Yajurveda - Kanva
   Shri Narendra Kapare (Western) - Rigveda
   Prof. Hari Har Trivedi (representing Central Region) - Shukla Yajurveda Madhyandina

3. One Expert, on Modern subject (including languages) - Member
   To be nominated by Governing Council
   Dr. C. K. Saluja, CIE, Delhi University

4. One Educationist - Member
   To be nominated by Governing Council
   Prof. K. E. Devanathan, Former vice Chanchalar,
   Venkateswara Vedic University, Tirupati

5. Officer in Charge, Academic, MSRVVP - Convener

MAHARSHI SANDIPANI RASHTRIYA VEDA VIDYA PRATISHTHAN, UJJAIN

Examination Committee

1. Secretary, MSRVVP - Chairman

2. Two Traditional Veda Pandits, (Northern, Southern Region wise) - Member
   Prof. Hriday Ranjan Sharma, Former Professor of Sanskrit, Banarash Hindu Vishvavidyalay, Varanasi
   Shri Venkataraman Ghanapathi, Veda Bhavan, Hyderabad

3. One Expert in Modern subject (including languages) - Member
   Nominee of Governing Council
   Prof. Kedar Narayan Joshi,
   Former Professor of Sanskrit, Vikram University, Ujjain

4. Controller of Exams of RSKS - Member

5. One Educationist - Member
   Nominee of Governing Council
   Prof. V. Muralidhar Sharma, Vice-chanchalar, RSV, Tirupati

5. MSRVVP - Examinetion incharge - Convener

PASSING STANDARDS

वेद संहिता

कण्ठस्थीकरण	स्वर सञ्चालन	उच्चारण की स्थिति
पूर्णांक - १००	पूर्णांक - १००	पूर्णांक - १००
न्यूनतम प्राप्ताङ्क - ६०	न्यूनतम प्राप्ताङ्क - ६०	न्यूनतम प्राप्ताङ्क - ६०

सहयोगी विषय -

संस्कृत भाषा	गणित	अंग्रेजी	सामाजिक विज्ञान
पूर्णांक - १००	पूर्णांक - १००	पूर्णांक - १००	पूर्णांक - १००
न्यूनतम प्राप्ताङ्क - ४०	न्यूनतम प्राप्ताङ्क - ४०	न्यूनतम प्राप्ताङ्क - ४०	न्यूनतम प्राप्ताङ्क - ४०

COURSE STRUCTURE- VEDA BHUSHANA
(1st to 5th Year)

Sl No	Course	Marks
	LANGUAGES	
	English	100
	Sanskrit	100
	CORE SUBJECTS	
	Veda	100
	Veda	100
	Veda	100
	MODERN SUBJECTS	
	Social Science and Science	100
	Mathematics	100

COURSE STRUCTURE- VEDA VIBHUSHANA
(1st to 2nd Year)
OLD VEDA VIBHUSHANA (6st to 7th Year)

Sl No	Course	Marks
	LANGUAGES	
	English	100
	Sanskrit	100
	CORE SUBJECTS	
	Veda	100
	Veda	100
	Veda	100
	MODERN SUBJECTS	
	Social Science and Science	100
	Mathematics	100

In addition to this course content, students under go training in

- **Computer Applications as per the Vidyalaya time table**
- **Yoga, Dhyana and Meditation**
- **Spoken Sanskrit**
- **Language Communication**
- **Skill, Socially Productive and usewful work and**
- **Environmental education.**

वेदभूषण प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम

ऋग्वेद संहिता शाकल शाखा

अष्टकः	अध्यायाः	वर्गाः	ऋचः
त्रिकालसन्ध्यावदम्, अग्निकार्यम्, ब्रह्मयज्ञः, भोजनविधिः यज्ञोपवितधारणविधिः प्रथमः सस्वरकण्ठस्थिकरणम्	१ - २ (२)	७५	३८३

शुक्लयजुर्वेद काण्व शाखा

- सन्ध्योपासना, अग्निकार्य, भोजनविधि, यज्ञोपवीतधारणविधि आदि नित्यकर्म (स्वशाखीय स्थानीय परम्परानुसार)
- शुक्लयजुर्वेद काण्व संहिता - १ - ३ अध्याय सस्वर (कण्ठस्थीकरण)

शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा

- सन्ध्योपासनम् , (महत्त्वसहितम्)
- वैदिक सूक्तपाठः -(क) शान्तिपाठः (ख) शिवसङ्कल्पसूक्तम् (ग) पुरुषसूक्तम् (घ) आब्रह्मन्
- शुक्लयजुर्वेदसंहिता - (१ - ३ अध्यायपर्यन्ता) सस्वरकण्ठस्थीकरणम्
- याज्ञवल्क्यशिक्षान्तर्गतम् (वेदाध्ययनप्रकरणम्)

  (क) हस्तस्वरसञ्चालननियमाः

  (ख) अनुस्वारस्य गुङ्कारोच्चारणम्

  (ग) मूर्द्धन्यषकारस्य खकारोच्चारणम्

  (घ) यकारस्य जकारोच्चारणम् (वकारस्य द्वित्वोच्चारणम्)

  (ङ) पाठदोषाः, पाठकगुणाः, पाठकाधमाः

कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा

- सन्ध्यावन्दन
- तैत्तिरीय संहिता प्रथम काण्ड १ से ४ प्रश्नः
- तैत्तिरीय ब्राह्मण प्रथमाष्टकः १ से ४ प्रश्नः

सामवेद राणायनीय शाखा एवं कौथुम शाखा

- शाखानुसार नित्यकर्म पूर्ण - त्रिकालसंध्या, अग्निकार्य, ब्रह्मयज्ञ पूर्ण
- आर्चिके - पूर्वार्चिक अध्याय १ सम्पूर्ण मन्त्रसंख्या १ से ११४ तक
- गाने - प्रथम प्रपाठकतः द्वितीय प्रपाठकान्तम् गान संख्या १ से १४१ तक

सामवेद जैमनीय शाखा

- सन्ध्योपासनाविधिः, समिधादानम् , ब्रह्मयज्ञः तथा ऋक्-आग्नेयसम्पूर्ण ।
- गान अग्नेय सम्पूर्ण कण्ठस्थिकरण।

अथर्ववेद शौनक शाखा

- प्रथम काण्ड से द्वितीय काण्ड के अन्त तक (कठस्थीकरण)
- माण्डुकी शिक्षा ९३ (कण्ठस्थीकरण) (त्रिनवति)

अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा

- प्रथम काण्ड सम्पूर्ण ११२ सूक्त मन्त्र ४८३ (कण्ठस्थीकरण)
- सन्ध्या
- माण्डुकी शिक्षा - ९३ (कण्ठस्थीकरण)

द्वितीय - संस्कृत

- पुल्लिङ्ग शब्द रूप - रामः, हरिः, करी, भानुः, भगवान्
- स्त्रीलिङ्ग शब्द रूप - रमा, रुचिः, नदी, धेनुः
- नपुंसकलिङ्ग - ज्ञान
- सर्वनाम शब्द रूप - सर्वशब्द (त्रिषु लिङ्गेषु), भवतशब्दः (पुल्लिङ्गे स्त्रीलिङ्गे च), अस्मद्, युष्मद्, शब्दश्च
- धातु रूप - भू, गम्, पा, पठ्, (लट्, लृट, लोट, लङ्, विधिलिङ्लकारेषु)

प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित पुस्तक

तृतीय - अंग्रेजी

- English Alphabet - Capital & Small Letters
- Vowels and Consonants
- Sentence & its kinds
- Subject & Predicate
- Counting / Numerals
- Name of the parts of Body
- Names of animals and their young ones.
- Names of Cereals and eatables
- Names of colours and metals
- Names of Relative

प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित पुस्तक

चतुर्थ - गणित एवं कम्प्यूटर

- संख्याओं की गणना एवं लेखन- वैदिक-मूल
- एकांकीय संख्याओं के योग एवं व्यवकलन
- दो अंकीय संख्याओं के योग एवं व्यवकलन
- सिक्कों और कागज़ी मुद्राओं की पहचान
- एकांकीय संख्याओं का गुणन

प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित पुस्तक

पञ्चम - विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान

- भारत एवं समकालीन विश्व
- प्राचीन भारत की भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक स्थिति
- भारतीय वैदिक सामाजिक संरचना
- भारतीय वैदिक दार्शनिक मूल्य एवं संस्थाएँ
- प्राचीन भारत की सांस्कृतिक विरासत
- सिन्धुकालीन संस्कृति एवं सभ्यता

प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित पुस्तक

वेदभूषण द्वितीय वर्ष पाठ्यक्रम

ऋग्वेद संहिता शाकल शाखा

अष्टकः	**अध्यायाः**	**वर्गाः**	**ऋचः**
प्रथमः			
पाणिनीय शिक्षा कण्ठस्थीकरणम्	३ - ८ (६)	१९०	८८७ आदितः सस्वरकण्ठस्थिकरणम्

शुक्लयजुर्वेद काण्व शाखा

- शुक्लयजुर्वेद काण्व संहिता - ४ - १० अध्याय (आदितः) सस्वर कण्ठस्थीकरण
- स्वास्तिवाचनसूक्त, शान्तिसूक्त, राष्ट्र सूक्त सस्वर कण्ठस्थीकरण
- पाणिनीय शिक्षा - सम्पूर्ण मूल कण्ठस्थीकरण

शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा

- शुक्लयजुर्वेदसंहिता (४ - १२ अध्यायपर्यन्ता) सस्वरकण्ठस्थीकरणम्
- वैदिकसूक्तपाठः -

  (क) रुद्रसूक्तम् (ख) शान्त्यध्यायः
- याज्ञवल्क्यशिक्षा - स्वरप्रकरणम्
- षडङ्गानां शाखानाञ्च सामान्यपरिचयः

कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा

- तैत्तिरीय संहिता प्रथम काण्ड ५ से ८ प्रश्न एवं द्वितीय काण्ड १ से २ प्रश्नः
- तैत्तिरीय ब्राह्मण ५ से ८ प्रश्नः प्रथमाष्टक

सामवेद राणायनीय शाखा एवं कौथुम शाखा

- पूर्वार्चिके अध्याय २, ३, ४, ५ सम्पूर्णम् (पवमानकाण्डान्तम) मन्त्रसंख्या ११५ से ५८५ तक
- गाने - तृतीय प्रपाठकतः ११ प्रपाठकान्तम् गानम् गानसंख्या - १४२ से ७७१ तक

सामवेद जैमनीय शाखा

- ऋक् बृहती पर्यन्तम । एवं गान तद्व - तद्व -, बृहती सम्पूर्ण आदितः, कण्ठस्थीकरण।

अथर्ववेद शौनक शाखा

- तृतीय काण्ड से षष्ठ काण्ड तक (कण्ठस्थीकरण)
- माण्डुकी शिक्षा अवशिष्टांश ९३ (कण्ठस्थीकरण)
- निघण्टु - १, २ अध्याय (कण्ठस्थीकरण)

अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा

- द्वितीय तथा तृतीय काण्ड सम्पूर्ण सूक्त १३१ मन्त्र संख्या ७६३ (कण्ठस्थीकरण)
- माण्डुकी शिक्षा अवशिष्टांश ९३ (कण्ठस्थीकरण)
- निघण्टु - १, २ अध्याय (कण्ठस्थीकरण)
- गोपथ ब्राह्मण प्रथम प्रपाठक (कण्ठस्थीकरण)

द्वितीय - संस्कृत

- पुल्लिङ्ग शब्द रूप - कर्ता, आत्मा, चन्द्रमा
- स्त्रीलिङ्ग शब्द रूप - वाक्, धी, सरित्
- नपुंसकलिङ्ग शब्द रूप - दधि, पयः, कर्म, वारि, जगत्
- सर्वनाम शब्द रूप - एक - द्वि - त्रि - शब्द (तीनों लिङ्गों में)
- लघुसिद्धान्तकौमुदी - संज्ञा प्रकरण (सूत्र अर्थ उदाहरण सहित)
- अमरकोश - प्रथम काण्ड - स्वर्ग वर्ग मात्र

प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित पुस्तक

तृतीय - अंग्रेजी

- Revision of Previous lessons
- Parts of Speech

- Noun & its kinds
- Pronoun
- Verb
- Adjective
- Degrees of Adjective - Positive, Comparative & Superlative
- Adverb

प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित पुस्तक

चतुर्थ - गणित एवं कम्प्यूटर

- पूर्व पाठों का पुनः स्मरण
- त्रिअंकीय संख्याओं का लेखन एवं पहचान
- त्रिअंकीय संख्याओं के योग
- त्रिअंकीय संख्याओं के व्यवकलन
- द्विअंकीय संख्याओं के गुणन
- त्रिअंकीय संख्याओं से आलिप्त गणनाएँ एवं अनुप्रयोग
- समय का मापन
- विविध प्रश्नावली

प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित पुस्तक

पञ्चम - विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान

- भारत की भौगोलिक संरचना
- जैव विविधता
- भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान
- भारत में खाद्य सुरक्षा नीति
- भारतीय जनसंख्या की विविधता एवं एकता
- भारत में मानव संसाधन विकास
- भारत में पर्यटन भूगोल
- भौगोलिक आपदा प्रबन्धन

प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित पुस्तक

वेदभूषण तृतीय वर्ष पाठ्यक्रम

ऋग्वेद संहिता शाकल शाखा

अष्टकः	**अध्यायाः**	**वर्गाः**	**ऋचः**
द्वितीयः	१ - ८	२८३	१५१७
तृतीयः	१ - २ (१०)		आदितः
लगध ज्योतिषम् मूलम्			कण्ठस्थिकरणम्

शुक्लयजुर्वेद काण्व शाखा

- शुक्लयजुर्वेद काण्व संहिता - ११ - २० अध्याय (आदितः) सस्वर कण्ठस्थीकरण
- पारस्कर गृह्य सूत्र - १- २ कण्डिका (प्रथम काण्ड) कण्ठस्थीकरण
- लगध ज्योतिष - सम्पूर्ण (कण्ठस्थीकरण)

शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा

- शुक्लयजुर्वेदसंहिता - (१३-२२ अध्यायपर्यन्ता) सस्वरकण्ठस्थीकरणम्
- याज्ञवल्क्यशिक्षा - वर्णप्रकरणम्
- पारस्करगृह्यसूत्रम् (प्रथमकाण्डस्य प्रथमा, द्वितीया कण्डिका)

  (क) श्रीगणपत्यथर्वशीर्षम्

  (ख) श्रीसूक्तम्

कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय

- तैत्तिरीय संहिता द्वितीय काण्ड ३ से ६ प्रश्नः एवं तृतीय काण्ड १ से २ प्रश्नः
- तैत्तिरीय ब्राह्मण द्वितीयाष्टक १ से ४ प्रश्नः

सामवेद राणायनीय शाखा एवं कौथुम शाखा

- आरण्यक महानाम्नि आर्चिकम् सम्पूर्णम् एवम् उत्तरार्चिक अ १ तः १० पर्यन्तम् मन्त्रसंख्या ५८६ से १३४६ तक,
- गाने १२ प्रपाठकतः १७ प्रपाठकान्तम् गानम् गानसंख्या ७७२ से ११९८ तक गानम्

सामवेद जैमनीय शाखा

- ऋक् असावि, ऐन्द्र, पवमान सम्पूर्ण। गान असावि ऐन्द्रं सम्पूर्ण आदितः कण्ठस्थीकरण।

अथर्ववेद शौनक शाखा

- अथर्ववेद सप्तम काण्ड का प्रारम्भ से दशम काण्ड समाप्ति तक (कण्ठस्थीकरण)
- पिङ्गल छन्द शास्त्र (कण्ठस्थीकरण)
- निघण्टु - ३, ४ अध्याय (मूलपाठ)

अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा

- चतुर्थ काण्ड से सप्तम काण्ड सम्पूर्ण सूक्त संख्या १२३ मन्त्र संख्या ११०४ (कण्ठस्थीकरण)
- पिङ्गल छन्द शास्त्र (कण्ठस्थीकरण)
- निघण्डु - ३, ४ अध्याय (मूलपाठ)
- गोपथ ब्राह्मण द्वितीय प्रपाठक (कण्ठस्थीकरण)

द्वितीय - संस्कृत

- सर्वनामशब्दरूपाणि - तद्, यत्, इदम्, किम्, एतद्
- धातुरूपाणि - अद्, हु, दिव्, सु. (लट्, लृट, लोट्, लङ्, विधिलिङ्लकारेषु)
- लघूसिद्धान्तकौमुदी - सन्धि प्रकरण (सूत्र अर्थ उदाहरण सहित)
- नीतिशतक (भर्तृहरि) प्रारम्भ के ३० पद्य अर्थ संहित

प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित पुस्तक

तृतीय - अंग्रेजी

- Revision of Previous lessons
- Use of prepositions
- Use of Conjunctions
- Interjection & its use

- Articles - a, an, the
- Tense - Present, Past and Future
- Antonyms and Synonyms

प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित पुस्तक

चतुर्थ - गणित

- पूर्ववर्ती पाठों का पुनरीक्षण
- 9999 तक की संख्याओं की गणना एवं लेखन
- पाँच अंकों की संख्याओं के योग
- पाँच अंकों की संख्याओं के व्यवकलन
- चार अंकों की संख्याओं के गुणन
- त्रिअंकीय संख्याओं के भाग
- लघु भिन्नों का योग
- लघु भिन्नों के व्यवकलन
- पूर्ववर्ती अध्यायों पर आधारित व्यावहारिक प्रश्न

प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित पुस्तक

पञ्चम - सामाजिक विज्ञान

- सौरमण्डल
- भारतीय कालगणना एवं कार्यशालाएँ
- भारतीय संवत्सर (संवत्, अयन, मास, पक्ष, दिन)
- पञ्चांग (तिथि, वार, नक्षत्र, योग, करण)
- पृथ्वीपर जीवन का परिमण्डल (जैवमण्डल एवं जीवोम)
- जलसंसाधनों की सुरक्षा
- वेदों में जंगल एवं वन्य जीवन संसाधन

प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित पुस्तक

वेदभूषण चतुर्थ वर्ष पाठ्यक्रम

ऋग्वेद संहिता शाकल शाखा

अष्टकः	**अध्यायाः**	**वर्गाः**	**ऋचः**
तृतीय	३ - ८	३२३	१७११
चतुर्थ	१ - ५ (११)		आदितः
पिङ्गलच्छन्दः			कण्ठस्थिकरणम्

शुक्लयजुर्वेद काण्व शाखा

- शुक्लयजुर्वेद काण्व संहिता - २१ - ३० अध्याय (आदितः) सस्वर कण्ठस्थीकरण
- पारस्कर गृह्यसूत्र - प्रथम काण्ड (तृतीयकण्डिका से सम्पूर्ण) सस्वर कण्ठस्थीकरण
- पिङ्गलछन्द सूत्र - सम्पूर्ण कण्ठस्थीकरण

शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा

- शुक्लयजुर्वेदसंहिता - (२३ - ३० अध्यायपर्यन्ता सस्वरकण्ठस्थीकरणम्)
- पारस्करगृह्यसूत्रम् ३ - ११ कण्डिका पर्यन्तम् (प्रथमकाण्डस्य अवशिष्टम्)
- स्नान - सन्ध्या - तर्पण - भोजनसूत्रम् (पारस्करगृह्यसूत्र - परिशिष्टोक्तम्)
- प्रतिज्ञापरिशिष्टम्

कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा

- तैत्तिरीय संहिता तृतीय काण्ड ३ से ५ प्रश्नः एवं चतुर्थ काण्ड १ से ७ प्रश्नः
- तैत्तिरीय ब्राह्मण द्वितीयाष्टक ५ से ८ प्रश्नः

सामवेद राणायनीय शाखा एवं कौथुम शाखा

- उत्तरार्चिके अध्याय ११ तः २१ अ. पर्यन्तम् आर्चिकम् मन्त्रसंख्या १३४७ से १८७५ तक
- आरण्यक गाने १ प्रपाठक तः ३ प्रपाठकान्तम् गानम्
- गानसंख्या १ से १६६ तक और नारदीय शिक्षा प्रपाठक १ पूर्ण ...

सामवेद जैमनीय शाखा

- ऋक् - आरण्यक् पूर्वीचक्र प्वर्ति एवम् उत्तरार्चिक् ४० खण्ड पर्यन्तम् ।
- गान पवमान सम्पूर्ण अदितः कण्ठस्थीकरण ।

अथर्ववेद शौनक शाखा

- अथर्ववेद एकादश काण्ड के प्रारम्भ से चतुर्दश काण्ड समाप्ति तक (कण्ठस्थीकरण)
- निघण्टु - पञ्चम अध्याय (कण्ठस्थीकरण)
- उपनिषद् त्रयस्य (मुण्डक, माण्डूक्य, प्रश्नोपनिषद्) (कण्ठस्थीकरण)

अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा

- अष्टम काण्द से त्रयोदश सम्पूर्ण सूक्त संख्या ११२ मन्त्र संख्या १०३१ (कण्ठस्थीकरण)
- निघण्टु - पञ्चम अध्याय (कण्ठस्थीकरण)
- उपनिषद् त्रयस्य (मुण्डक, माण्डूक्य, प्रश्नोपनिषद्) (कण्ठस्थीकरण)
- गोपथ ब्राह्मण पूर्वभाग अवशिष्टांक (कण्ठस्थीकरण)

द्वितीय - संस्कृत

- लघूसिद्धान्तकौमुदी - अव्यय प्रकरण
- हितोपदेश मित्रलाभ अर्थ सहित
- धातुरूपाणि - तद्, रुध, तनु, क्री, चुर, (लट्, लृट, लोट्, लृविधिलिङ्लकारेषु)

प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित पुस्तक

तृतीय - अंग्रेजी

- Revision of previous lessons
- Voice - Active & Passive
- Gender
- Question Tags

- Eileen Mathias - Tall Trees
- Jawaharlal Nehru - A Birthday letter
- Leo Tolstoy - My Elder Brother
- Sarojini Naidu - Indian weavers

प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित पुस्तक

चतुर्थ - गणित एवं कम्प्यूटर

- पिछले पाठों को दोहराना
- भिन्नात्मक संख्या का जोड़ (दो से अधिक चरणों तक)
- भिन्नात्मक संख्या का घटाव
- पाँच अंकों की संख्या तक गुणन
- पाँच अंकों की संख्या तक भाग
- उपरोक्त विषयों के अनु प्रयोग

प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित पुस्तक

पञ्चम - सामाजिक विज्ञान

- वैदिक अध्ययन का वैज्ञानिक एवं मानविकी पक्ष
- भारतीय अष्टांग योग
- पतञ्जलि योगदर्शन
- वैदिक मन्त्रों के साथ सूर्यनमस्कार
- आसन, मुद्राएँ एवं प्राणायाम एवं स्वास्थ्य
- भारतीय तन्त्र, मन्त्र एवं यन्त्र साधना पद्धतियाँ
- भारतीय वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियाँ, स्वच्छता का महत्त्व

प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित पुस्तक

वेदभूषण शाखा पञ्चम वर्ष पाठ्यक्रम

ऋग्वेद संहिता शाकल

अष्टकः	**अध्यायाः**	**वर्गाः**	**ऋचः**
चतुर्थ	६ - ८	३२४	१७३७
पञ्चम	१ - ८		आदितः
निघण्टुः	१ - ५ अध्यायाः		कण्ठस्थिकरणम्

शुक्लयजुर्वेद काण्व शाखा

- शुक्लयजुर्वेद काण्व संहिता - ३१ - ४० अध्याय (आदितः) सम्पूर्ण संहिता सस्वर कण्ठस्थीकरण
- पारस्कर गृह्यसूत्र - द्वितीय काण्ड सम्पूर्ण
- शतपथ ब्राह्मण (काण्व) प्रथम एकपात् काण्ड का प्रथम अध्याय मात्र कण्ठस्थीकरण

शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा

- शुक्लयजुर्वेदसंहिता - (३१ - ४० अध्यायपर्यन्ता सम्पूर्ण संहिता) सस्वरकण्ठस्थीकरणम्
- पारस्करगृह्यसूत्रम् (द्वितीयकाण्डम् सम्पूर्णम्)
- शतपथब्राह्मणम् - प्रथमकाण्डस्य प्रथमोऽध्यायः
- पारस्करगृह्यसूत्रस्य परिशिष्टोभाग: - श्राद्धसूत्रम्

कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा

- तैत्तिरीय संहिता पञ्चम काण्ड १ से ७ प्रश्नः
- तैत्तिरीय ब्राह्मण तृतीयाष्टक १ से ६ प्रश्नः

सामवेद राणायनीय शाखा एवं कौथुम शाखा

- आरण्यकगाने प्रपाठक ४ तः ६ प्रपाठकान्तम् गानम्
- गानसंख्या १६७ से २९० तक + ५ साम पूर्ण .....
- नारदीय शिक्षा प्रपाठक २ पूर्ण, स्तोभपदपाठः सम्पूर्ण
- छान्दोग्यमंत्र ब्राह्मण सम्पूर्णम्

सामवेद जैमनीय शाखा

- ऋक् उत्तरार्चिक् ४१ खण्ड से ९० खण्ड उत्तर्चिक् सम्पूर्ण ।
- गान आरण्यक सम्पूर्ण अदितः कण्ठस्थीकरण ।

अथर्ववेद शौनक शाखा

- अथर्ववेद पञ्चदश काण्ड के प्रारम्भ से सप्तदश काण्ड समाप्ति तक (कण्ठस्थीकरण)
- निरुक्त - प्रथम अध्याय (मूलपाठ)
- शौनकीय चतुर्थ अध्यायिका (प्रातिशाख्य) परिचय

अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा

- चतुर्दश काण्ड से षोडशःकाण्ड सम्पूर्ण सूक्त संख्या १८७ मन्त्र संख्या १६४७ (कण्ठस्थीकरण)
- गोपथ ब्राह्मण उत्तर भाग (कण्ठस्थीकरण)
- निरुक्त - प्रथम अध्याय (मूलपाठ)

द्वितीय - संस्कृत

- लघूसिद्धान्तकौमुदी - विभक्त्यर्थ प्रकरण सूत्र अर्थ उदाहरण सहित
- मनुस्मृति - द्वितीय अध्याय १ से १०० श्लोक तक अर्थ सहित
- अनुवाद - संस्कृत भाषा में

तृतीय - अंग्रेजी

- Revision of previous lessons
- Punctuation
- Letter writing - Formal & Informal / Application writing
- Resume writing
- Barrie wade - Truth
- Ruskin Bond - The parrot who wouldn't Talk
- Gabriel Okara - Once upon a Time

चतुर्थ - गणित

- पिछले पाठों को दोहराना
- महत्तम
- लघुत्तम
- एकिक रीति
- संख्यात्मक अभिव्यक्ति का सरलीकरण
- औसत
- उपरोक्त विषयों के अनुप्रयोग

पञ्चम - विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान

- संवैधानिक मूल्य तथा भारत की वर्तमान राजनैतिक व्यवस्था
- मौलिक अधिकार तथा कर्त्तव्य
- भारत एक कल्याणकारी राज्य
- जनता की सहभागिता एवं लोकतान्त्रिक प्रक्रिया
- राजनीतिक दल तथा दबाव समूह
- राष्ट्रीय एकीकरण तथा पंथनिरपेक्षता
- सामाजिक आर्थिक विकास तथा अभावग्रस्त समूहों का सशक्तीकरण
- भारतीय लोकतन्त्र की चुनौतियाँ

वेद विभूषण प्रथम वर्ष (पूर्वानुसार षष्ठ वर्ष) पाठ्यक्रम

ऋग्वेद शाकल शाखा

अष्टकः	**अध्यायाः**	**वर्गाः**	**ऋचः**
षष्ठ	१ - ८	४५२	२३७६
सप्तम	१ - ४		आदितः
ऐतरेय ब्राह्मणम्	प्र. अ.		कण्ठस्थिकरणम्

शुक्लयजुर्वेद काण्व शाखा

- शुक्लयजुर्वेद काण्व संहिता पुरुषसूक्त, उत्तरनारायण सूक्त, विष्णु सूक्त सरस्वती सूक्त, मेधा सूक्त एवं रुद्राध्याय के प्रथम अनुवाक के पद एवं क्रम पाठ का अभ्यास
- शुक्लयजु: प्रातिशाख्यानुसार पद पाठ एवं क्रमपाठ के स्वर संधिविषयक सूत्रों का सार्थ अध्ययन
- अष्टविकृतिलक्षण - सोदाहरण (चरणव्यूहानुसार) एक - एक मन्त्र का
- निघण्टु - १ - २ अध्यायः (कण्ठस्थीकरण)
- बृहदारण्यकोपनिषद् - १- ३ अध्याय (कण्ठस्थीकरण)

शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा

- जटाघनविकृतीनां पाठः एकैकस्य मन्त्रस्य (लक्षणोदाहरणसहितम्)
- पाणिनीयशिक्षा
- पिङ्गलछन्दःसूत्रम्
- याजुष् ज्योतिषम्
- अधोलिखितानां वैदिक सूक्तानां पदपाठः क्रमपाठश्च -

  (१) शान्तिसूक्तम् - "आनोभद्रा" इत्यारभ्य "यतोयतः" मन्त्रपर्यन्तम्

  (२) शिवसङ्कल्पसूक्तम् (३) पुरुषसूक्तम् (४) उत्तरनारायणसूक्तम् (५) विष्णुसूक्तम्

  (६) रुद्रसूक्तम् (७) शान्त्यध्यायः "ऋचं वाचम्" (शुक्लयजुर्वेदसंहिता ३६ अध्यायः)

  (८) सरस्वतीसूक्तम् (९) मेधासूक्तम् (१०) आब्रह्मन् ब्राह्मणः

  (११) शुक्लयजुःसंहितायाः तृतीयाध्यायस्य पदपाठः
- बृहदारण्यकोपनिषद् (१ - ३ अध्याय)

कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा

- तैत्तिरीय संहिता षष्ठ काण्ड १ से ६ प्रश्नः
- तैत्तिरीय ब्राह्मण ७ से ९ प्रश्नः
- काठक प्रश्न १ से ३ प्रश्नः

सामवेद राणायनीय शाखा एवं कौथुम शाखा

- पूर्वार्चिक सम्पूर्ण पदपाठः महानाम्नि पर्यन्तम्
- उत्तरार्चिके अ. १ तः ५ अ. पर्यन्तम् पदपाठः
- छान्दोग्योपनिषत् अ. १ तः ३ अ. पर्यन्तम्
- ऊहगाने - दशरात्रम्, संवत्सरम्, एकाहम्

सामवेद जैमनीय शाखा

- नारदीय शिक्षा प्रथम प्रपाठक् , केनोपनिषद् , जैमिनीय आर्षेय ब्राह्मण, तलवकार, उपनिषद् , जैमिनीय महाब्राह्मण १ काण्ड कण्ठस्थीकरण

अथर्ववेद शौनक शाखा

- अथर्ववेद अष्टादश काण्डा आरम्भ से एकोनविंशति काण्ड तक (कण्ठस्थीकरण)
- एकस्य काण्ड पदपाठ, गोपथ ब्राह्मण पूर्वभाग, कौशिक गृह्यसूत्र परिचय
- निरुक्त द्वितीय अध्याय व्याख्या सहित

अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा

- सप्तदश अष्टादशकाण्ड सम्पूर्ण सूक्त संख्या १३९ मन्त्र संख्या ११६१ (कण्ठस्थीकरण)
- कर्म पञ्जिका सर्व कर्म सामान्य विधेय बहि शालादि तन्त्र प्रायश्चित्तान्ता (कण्ठस्थीकरण)

संस्कृत

- मीमांसा परिभाषा - स्वाध्याय विचार धर्म लक्षण, धर्म स्वरूप विचार, विधि निरूपण, विधेर्भेदा, अर्थवाद निरूपण, मन्त्र निरूपण, मन्त्र विभाग, मानधेय निरूपण, नामधेय भेद, स्मृति निरूपण, निषेध निरूपण, शाब्दी-भावना निरूपण, आर्थी-भावना निरूपण, अपूर्व निरूपण
- मनुस्मृति - द्वितीय अध्याय १०१ श्लोक समाप्ति तक
- श्रीमद्भगवद्गीता - द्वितीय अध्याय पद-पदार्थ सहित

अंग्रेजी

- Revision of previous lessons
- Narration - direct & Indirect
- Modal Auxiliaries
- Essay Writing
- My First steps
- Kamla Das - My Grandmother's House
- E. Wallace - A case of suspicion

गणित

- पिछले पाठों को दोहराना
- चाल
- दूरी व समय
- प्रतिशत
- प्रारम्भिक ज्यामितीय आशय एवं आकार, त्रिकोण एवं वृत्त सहित
- उपरोक्त विषयों के अनु प्रयोग

सामाजिक विज्ञान

- भारतीय कलाओं का परिचय (ललित कलाएँ एवं अन्य)

- भारतीय गुरुकुल शिक्षा
- पर्यावरण प्रदूषण एवं निवारण
- भारतीय वर्तमान शिक्षा व्यवस्था के गुण दोष
- भारत में पुरातत्त्व खोज एवं संरक्षण
- भारत की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत
- भारत के तीर्थस्थल एवं उनका महत्त्व

वेद विभूषण द्वितीय वर्ष (पूर्वानुसार सप्तम वर्ष) पाठ्यक्रम

ऋग्वेद शाकल शाखा

अष्टकः	अध्यायाः	वर्गाः	ऋचः
सप्तम	५ - ८	३६६	१९०८
अष्टम	१ - ८ (१२)		आदितः
ऐतरेयारण्यकम्	प्र.अ.		कण्ठस्थिकरणम्

शुक्लयजुर्वेद काण्व शाखा

- पुरुषसूक्त, उत्तरनारायणसूक्त, विष्णुसूक्त, सरस्वतीसूक्त, राष्ट्रसूक्त, मेधासूक्त एवं रुद्राध्याय के प्रथम अनुवाक का जटा, माला, शिखा एवं घन विकृतिपाठ का अभ्यास
- निघण्टु ३ - ५ अध्याय (कण्ठस्थीकरण)
- बृहदारण्यकोपनिषद् - ४ - ६ अध्याय (कण्ठस्थीकरण)

शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा

- अधोलिखितानां जटाघनविकृतीनां पाठः -

(१) शान्तिसूक्तम्	(२) शिवसङ्कल्पसूक्तम्	(३) पुरुषसूक्तम्	(४) उत्तरनारायणसूक्तम्
(५) विष्णुसूक्तम्	(६) रुद्रसूक्तम्	(७) शान्यध्यायः	(८) सरस्वतीसूक्तम्
(९) मेधासूक्तम्	(१०) आब्रह्मन् ब्राह्मणः	(११) नमः शम्भवाय	(१२) त्र्यम्बकम्
(१३) अस्मेरुद्राः	(१४) विश्वानिदेव	(१५) अश्मन्नूर्जम्	

- शुक्लयजुःप्रातिशाख्यम् (सम्पूर्णम्)
- बृहदारण्यकोपनिषद् - ४ - ६ अध्याय (कण्ठस्थीकरण)
- निघण्टुः (सम्पूर्ण १ - ५ अध्याय)

कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा

- तैत्तिरीय संहिता सप्तम काण्ड १ से ५ प्रश्नः
- तैत्तिरीय आरण्यक १ से १० प्रश्नः

सामवेद राणायनीय शाखा एवं कौथुम शाखा

- उत्तरार्चिके अ. ६ तः २१ पदपाठः
- ऊहगाने अहीनपर्वतः रहस्यान्तम् , ताण्ड्यमहब्राह्मण अ. १ पूर्ण
- छान्दोग्योपनिषत् अ. ४ तः ८ पर्यन्तम्

सामवेद जैमनीय शाखा

- नारदीय शिक्षा द्वितीय प्रपाठक, जैमिनीमहाब्राह्मण ३ काण्ड, जैमिनीय उपनिषद् कण्ठस्थीकरण

अथर्ववेद शौनक शाखा

- विंसतितम काण्ड सम्पूर्ण (कण्ठस्थीकरण)
- गोपथ ब्राह्मण उत्तरभाग (कण्ठस्थीकरण)
- यथा - सामनस्य, ब्रह्मचर्य सूक्त, भूमि सूक्त, नक्षत्र सूक्त, पुरुष सूक्त, शान्ति सूक्तिमिति
- प्रथम काण्ड सहित अतिपय सूक्त भाष्य अध्ययन
- निरुक्त सप्तम अध्याय व्याख्या सहित

अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा

- ऊनविंश, विंशति काण्ड सम्पूर्ण कण्डिक (सूक्त) संख्या १११ मन्त्र संख्या १५४६ (कण्ठस्थीकरण)
- अथर्वण ज्योतिष
- प्रथम काण्ड कतिपय सूक्त भाष्य अध्यापन

संस्कृत

- पाणिनीयशिक्षा - अर्थसहित
- श्रीमद्भगवद्गीता - ११ या १७ वाँ अध्याय
- लघुसिद्धान्तकौमुदी - समासप्रकरण
- संस्कृत में निबन्ध लिखना

अंग्रेजी

- Revision of previous lessons
- comprehension of unseen passages
- Translation - from Sanskrit to English & Vice - versa
- Vocabulary building
- Precis writing
- Jawaharlal Nehru - India - Her Past and Future
- K. A. Abbas - Bholi

गणित

- पिछले पाठों को दोहराना
- समानान्तर रेखाओं और त्रिकोण की संरचना
- एकरूपता का आशय एवं त्रिकोणों की एकरूपता
- त्रिकोणों की विषमता, पाइथागोरस प्रमेय, उसका सत्यापन एवं अनुप्रयोग
- त्रिकोणात्मक क्षेत्र, तुरक्षरीय एवं वृत्त
- २ डी और ३ डी आंकड़े का परिचय
- वर्गमूलघातांक एवं उनके नियम
- बीजगणितीय आशय, उनके एक एवं दो परवर्ती के योग एवं घटाव
- सरल रेखीय समीकरण एवं उनके अनुप्रयोग
- पाठ या विषयों के सम्बन्ध में स्टेट शिक्षा बोर्ड द्वारा निर्धारित पुस्तकों से परामर्श लिया जा सकता है।

सामाजिक विज्ञान

- भारतीय संस्कृति का विश्व पर प्रभाव
- भारतीय संस्कृति पर वैश्वीकरण का प्रभाव
- भारतीय शिक्षा पद्धति और नैतिक मूल्य
- विश्व शान्ति में भारत की भूमिका
- भारत की वर्तमान समस्याएँ एवं निदान के प्रयास
- भविष्य के स्वर्णिम भारत निर्माण की योजनाएँ